दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

साझा विकास हेतु भारतीय रेलवे के साथ हाथ बढ़ाये

1. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का गठन तीन मंडल, बिलासपुर, रायपुर और नागपुर से हुआ है तथा यह चार राज्य, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं ओडिसा की जनता एवं उद्योगों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।
2. इसके नेटवर्क पर प्रतिदिन 255 से अधिक मेल/एक्सप्रेस, सवारी गाड़ियों को चलाया जाती है और लगभग 3.5 लाख यात्रियों को वहन किया जाता है। बिलासपुर, रायपुर, गोंदिया, राजनांदगांव, रायगढ, कोरबा, चांपा, भाटापारा, तिल्दा और दुर्ग इस रेलवे के प्रमुख स्टेशन हैं। यह रेलवे बिलासपुर, अम्बिकापुर, रायपुर जैसे पर्यटन स्थलों, पेंड्रा रोड, डोंगरगढ़, राजिम, रामटेक जैसे धार्मिक स्थलों तथा उमरिया, छिंदवाड़ा जैसे वन्य जीव अभ्यारण्यों को अपनी सेवाएं देती है।
3. इस रेलवे का परिचालन मध्य भारत में होता है जहाँ व्यापक पैमाने पर कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, आयरन एवं स्टील तथा अन्य खनिज सम्पदा उपलब्ध है जिसका परिवहन देश के सभी क्षेत्रों में किया जाता है। यह एकमात्र ऐसा जोन है जो विगत पांच वर्षों से लगातार (2011-12 to 2015-16) 150 मिलियन टन से अधिक मालभाड़ा यातायात का लदान करता आ रहा है और इसका भारतीय रेलवे के कुल मालभाड़ा लदान में 16% का योगदान रहा है।
4. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपने सभी स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को अपग्रेड करने की अपनी प्रतिबद्धता की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं तथापि अपने सम्मानित ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु अनेक कार्यों को करना अपेक्षित है। बड़े पैमाने पर ऐसे उत्कृष्ट कार्यों को केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा निगमों की सहायता से ही पूरा किया जा सकता है।
5. जैसा कि आप जानते हैं कि भारत सरकार द्वारा कम्पनी अधिनियम 2013 के शेड्यूल -VII (मदviii) में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा निगमों के बारे में 'निगमों की सामाजिक जिम्मेदारी' (सीएसआर) निर्धारित की गई है और यह अनिवार्य किया गया है कि कम्पनी अपने औसत कुल लाभ का 2% पर्यावरण को बनाए रखने, स्वास्थ्य, साफ-सफाई एवं स्वच्छता, इत्यादि पर खर्च करेगी।

6. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निगमों एवं सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों से यह अनुरोध करती है कि वे पर्यावरण को बनाए रखने संबंधी कार्य, साफ-सफाई/स्वच्छता तथा कुछेक यात्री सुविधओं को पूर्ण करने के लिए सीएसआर के अधीन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में भाग लें ताकि संगठन की विश्वसनीयता एवं छवि में वृद्धि हो सके।
7. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता, साफ-सफाई/स्वच्छता के अनेक कार्यों को सूचीबद्ध कर लिया गया है ताकि सीएसआर के अधीन आपके निगमों के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। यह पारस्परिक रूप से लाभप्रद होगा क्योंकि इससे एक ओर आपकी प्रतिष्ठित कम्पनी को जनता जान पाएगी और दूसरी ओर इस क्षेत्र के हितधारकों की सेवा करने में आपको संतुष्टि भी मिलेगी।
8. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं निगमों से अपील करती है कि वे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीन मंडलों यथा बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के विभिन्न स्टेशनों पर सीएसआर कार्यों को करने के लिए आगे आएं और हाथ बटाएं। निगमों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के द्वारा किए गए पहल से न केवल यात्रियों की यात्रा पहले से अधिक सुविधाजनक होगी वरन् इससे राष्ट्र के निर्माण में आपकी कम्पनी की भूमिका से भी लोग अवगत होंगे।
9. मंडलवार सीएसआर के प्रस्ताव उनकी अनुमानित लागत, वर्तमान स्थिति, भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिशा-निर्देश के साथ सूचीबद्ध कर लिए गए हैं। आपकी कम्पनी को केवल आपकी पसंद के सीएसआर प्रस्ताव के सामने उल्लिखित राशि ही जमा करने की आवश्यकता है। हम वादा करते हैं कि आपकी ओर से विशेष सुविधाएं भारतीय रेलवे द्वारा प्रारंभ की जाएगी। नीति में यह भी प्रावधान है कि आपकी कम्पनी कोई भी सूचीबद्ध मद को खरीद सकती है और उसे अपनी पसंद के किसी भी स्टेशन पर प्रारंभ कर सकती है। किसी भी विशिष्ट मद के संबंध में आगे की विस्तृत जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए संलग्न किए गए सम्पर्क विवरण के अनुसार मुख्यालय अथवा मंडल कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

स्वच्छ भारत के पर्यावरण को बनाए रखने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रयासों को बल देने की दिशा में आपकी उदारता की प्रशंसा भारतीय रेलवे करती है।

प्रगति में हम अपने सभी सम्मानित सहयोगियों का एक बार पुन: हार्दिक स्वागत करते हैं।

वीरेन्द्र कुमार
अपर महाप्रबंधक